बंदर एवं लंगूर गणना, 2021

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड सरकार द्वारा दिसंबर 2021 में अयोजति बंदर एवं लंगूर गणना के आँकड़े जारी कयि गए हैं।

प्रमुख बदिु

- इस गणना का आयोजन उत्तराखंड वन वभिाग एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा कयिा गया है।
- इसके अनुसार प्रदेश में बंदरों की संख्या में 2015 की तुलना में वर्ष 2021 में 24.55 फीसदी की कमी आई है, जबकि लंगूरों की संख्या में 31.14 फीसदी की कमी आई है।
- वर्ष 2021 में हुई गणना में बंदरों की संख्या 1,10,481 और लंगूरों की संख्या 37,735 दर्ज की गई, जबकि साल 2015 में बंदरों की संख्या 1,46,432 तथा लंगूरों की संख्या 54,804 थी।
- गणना के अनुसार बंदरों की संख्या का वतिरण इस प्रकार है- हरद्विार वन प्रभाग > बागेश्वर वन प्रभाग > देहरादून वन प्रभाग।
- गणना के अनुसार लंगूरों की संख्या का वतिरण इस प्रकार है- कॉर्बेट रामनगर > बद्रीनाथ वन प्रभाग > कॉर्बेट कालागढ़।
- बंदरों की संख्या कम करने के लयि सरकार द्वारा नम्निलखिति प्रयास कयि जा रहे हैं-
  - बंदरों की नसबंदी का कार्यक्रम
  - बंदर बाड़ों का नर्िमाण
  - रेस्क्यू सेंटरों का नर्िमाण, जैसे- मनिी जू रेस्क्यू सेंटर अल्मोड़ा।
  - प्रदेश में दो बंदर वन बनाए जाएंगे; पहला हल्द्वानी में 107 हेक्टेयर में, जबकि दूसरा हरद्विार में 25 हेक्टेयर में।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/monkey-and-langur-census-2021